प्रेस समाचार

जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

27 जुलाई, 2006

डायरिया से बच्चों की रक्षा करने हेतु दौड़

यूएसएड, आईसीआईसीआई बैंक द्वारा राष्ट्रीय ओआरएस दिवस मनाने के लिए
32 भारतीय शहरों में दौड़ का आयोजन

नई दिल्ली -- बच्चों की डायरिया से बड़े स्तर पर होने वाली मृत्यु के विरुद्ध जागरूकता पैदा करने के लिए भारत के 32 शहरों में पांच लाख से अधिक भारतीय दौड़ में भाग लेंगे। डायरिया से होने वाली शिशु-मृत्यु के विरुद्ध संघर्ष में सहयोग के रूप में *उड़ान* नाम की यह दौड़ भारत की सबसे बड़ी दौड़ होगी। भारत में प्रतिवर्ष पांच लाख से अधिक बच्चों की मृत्यु डायरिया से उत्पन्न निर्जलीकरण से हो जाती है। डायरिया बच्चों में कुपोषण का भी एक बड़ा करण है।

उड़ान का आयोजन अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) तथा आईसीआईसीआई बैंक लि. द्वारा राष्ट्रीय ओआरएस दिवस मनाने के लिए किया गया है। ओआरएस (जीवन रक्षक घोल) के सही प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय ओआरएस दिवस प्रतिवर्ष 29 जुलाई को मनाया जाता है।

उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान के शहरों में दौड़ आयोजित की जाएगी। यह दौड़ *साथी बचपन के* कार्यक्रम का एक प्रयास है जिसका लक्ष्य डायरिया से बच्चों की रक्षा करना है।

दौड़ का उद्देश्य इस संदेश को बल देना है कि हर भारतीय बच्चे को स्वस्थ जीवन जीवने का अधिकार है। अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए डाक्टरों और कैमिस्टों के साथ बड़ी संख्या में मां और बच्चे दौड़ में भाग लेंगे। स्कूली छात्र नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी), गैर-सरकारी संगठन, सेना व पुलिस कर्मचारी, खिलाड़ी तथा शिक्षक भी इसके समर्थन में भाग लेंगे।

यूएसएड के पॉपुलेशन, हैल्थ एंड न्यूट्रीशन अनुभाग के निदेशक डॉ. रॉबर्ट क्ले ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, ''भारत में शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक है तथा डायरिया इसका सबसे बड़ा कारण है। भारत में बच्चे के स्वास्थ्य स्तर में विकासात्मक बदलाव लाना हमारा ध्येय है।'' क्ले ने आईसीआईसीआई बैंक, शिशु रोग विशेषज्ञ अकादमी, ओआरएस निर्माताओं तथा मीडिया के प्रयासों की प्रसंशा की।

कार्यक्रम के बारे में बताते हुए, अभिनेत्री स्मृति ईरानी जिन्हें ओआरएस ''चाइल्ड केयर ऐंजेल'' का नाम दिया गया है ने कहा, ''मैं एक साल से ''*साथी बचपन के*'' अभियान के साथ जुड़ी रही हूं। *उड़ान* का हिस्सा बनकर मुझे बहुत खुशी है। आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक डा. रचिकेत मोर, ने कहा, ''*साथी बचपन के*'' अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य उद्देश्यों में प्रभावी ढंग से मदद करने वाली सार्वजनिक व निजी भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

***